कैमूर चेतना – सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए

02 सितम्बर 2025
सोमवार

कैमूर अंक- 56

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

सितम्बर - 2025 कैलेंडर

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मानव जाति की प्रगति की कुंजी हैं। - जवाहर लाल नेहरू	1 भाद्रपद शु. 9	2 भाद्रपद शु. 10	3 भाद्रपद शु. 11	4 भाद्रपद शु. 12	5 भाद्रपद शु. 13	6 भाद्रपद शु. 14
7 भाद्रपद शु. 15	8 आश्विन कृ. 1	9 आश्विन कृ. 2	10 आश्विन कृ. 3	11 आश्विन कृ. 4	12 आश्विन कृ. 5	13 आश्विन कृ. 6
14 आश्विन कृ. 7	15 आश्विन कृ. 8-9	16 आश्विन कृ. 10	17 आश्विन कृ. 11	18 आश्विन कृ. 12	19 आश्विन कृ. 13	20 आश्विन कृ. 14
21 आश्विन कृ. 30	22 आश्विन शु. 1	23 आश्विन शु. 2	24 आश्विन शु. 3	25 आश्विन शु. 4	26 आश्विन शु. 4	27 आश्विन शु. 5
28 आश्विन शु. 6	29 आश्विन शु. 7	30 आश्विन शु. 8	व्रत व त्यौहार			

संपादकीय

कार्यालय

जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर

शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावास मंच, भभुआ , कैमूर

शुभकामना संदेश

"कैमूर चेतना सत्र" शिक्षण एवं चेतना - सत्र संसाधन पत्रिका के रूप में प्रस्तुत यह अभिनव प्रयास कैमूर जिले के शिक्षा जगत में एक प्रेरणादायक पहल है।

यह सामग्री शिक्षकों एवं विद्यार्थियों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, जो न केवल कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाएगी, बल्कि विद्यार्थियों की अभिरुचि, समझ और जिज्ञासा को भी सुदृढ़ करेगी।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अद्यतन संसाधनों का निर्माण और उपयोग अत्यावश्यक है।

इस दिशा में "कैमूर चेतना सत्र" शिक्षकों को नवाचार की ओर प्रेरित करेगा और कक्षा शिक्षण में नवीनता का संचार करेगा।

इस संसाधन सामग्री के निर्माण में **कैमूर चेतना-सत्र निर्माण कोषांग के सदस्यों** की रचनात्मक सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। इन दोनों शिक्षकों का यह प्रयास अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

मैं इस पत्रिका की सम्पादकीय टीम को इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

आशा है कि यह पत्रिका शिक्षक व विद्यार्थियों — दोनों के लिए ज्ञान, प्रेरणा एवं नवाचार की सशक्त धारा सिद्ध होगी।

श्री राजन कुमार
वि. शि. से. (प्रशासन)
जिला शिक्षा पदाधिकारी , कैमूर

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

राजेश कुमार सिंह
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा , कैमूर

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

1. प्रार्थना

प्रार्थना

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

कैमूर चेतना सत्र

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे।।

कैमूर चेतना सत्र

2. आज का सुविचार

“शिक्षा केवल ज्ञान का संचार नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण है। एक शिक्षक का हृदय जितना विशाल होता है, उतना ही गहरा प्रभाव वह बच्चों के जीवन पर छोड़ता है।”

3. रोचक तथ्य

शहद कभी खराब नहीं होता — मिस्र के पिरामिडों में पाया गया हजारों साल पुराना शहद आज भी खाने योग्य था |

4. दिवस विशेष

विश्व नारियल दिवस

यह दिन नारियल के महत्व, उसके उपयोग और आर्थिक लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। विश्व नारियल दिवस की कुछ महत्वपूर्ण बातें:महत्व:यह नारियल के पोषण मूल्य, आर्थिक महत्व और विभिन्न उद्योगों में इसके बहुमुखी उपयोगों पर प्रकाश डालता है। उत्पत्ति:यह दिन एशिया प्रशांत नारियल समुदाय (APCC) की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में भी मनाया जाता है। पहला आयोजन:विश्व नारियल दिवस पहली बार 2 सितंबर 2009 को मनाया गया था।

5. आज का इतिहास

1946 :जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत की अंतरिम सरकार का गठन किया गया। इस सरकार ने 15 अगस्त 1947 तक देश का कामकाज संभाला।

1998 : भारत के स्वदेशी मानव रहित प्रशिक्षण विमान 'निशांत' का सफल प्रक्षेपण हुआ।

1999 : भारतीय तैराक बुला चौधरी ने दूसरी बार इंग्लिश चैनल तैरकर पार किया, जिससे वह एशिया की पहली महिला बनीं।

2023 : भारत के पहले सौर अवलोकन मिशन आदित्य-एल1 का सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफल प्रक्षेपण किया गया |

6. सामान्य ज्ञान

प्रश्न: लोकटक झील भारत के किस राज्य में अवस्थित है ?
उत्तर: मणिपुर

प्रश्न: भारतीय संविधान को बनाने में कितना समय लगा था ?
उत्तर: 2 साल 11 महीना 18 दिन

प्रश्न: विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा कौन सा है?
उत्तर: सुंदरवन डेल्टा (भारत)

प्रश्न: आइन- ए -अकबरी किसकी रचना है ? उत्तर : अबुल फजल

प्रश्न: वर्तमान में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त कौन हैं?
उत्तर: श्री ज्ञानेश कुमार

प्रश्न: मानव शरीर में प्रोटीन का पाचन किस अंग से शुरू होता है ?
उत्तर: आमाशय

7. शब्द ज्ञान

हिंदी- अंगेजी

मन-ही-मन - Inwardly (इनवडली)	साफ-साफ - Clearly (क्लियरली)
झट से - Instantly (इंस्टेंटली)	साथ-साथ - Side by side (साइड बाय साइड)
थोड़ा-थोड़ा करके - Bit by bit (बिट बाय बिट)	इधर-उधर - Here and there (हियर एंड देयर)
आगे-पीछे - Back and forth (बैक एंड फोर्थ)	कभी-कभार - Occasionally (ओकेज़नली)

8. तर्क ज्ञान

यदि 2 + 3 = 13, 3 + 4 = 25, तो 6+ 5 = ?

61

9. कंप्यूटर ज्ञान

कंप्यूटर का जनक : *चार्ल्स बैबेज* — उन्होंने 1822 में पहला गणना यंत्र बनाया जिसे "डिफेरेन्स इंजन " कहा गया।

कैमूर चेतना सत्र

10. प्रेरक प्रसंग

!! आलसी व्यक्ति !!

पुराने समय में एक व्यक्ति बहुत आलसी था। वह कोई काम नहीं करता, बस इधर-उधर से किसी तरह खाने की व्यवस्था कर लेता था। एक दिन वह जंगल में घूम रहा था। तभी उसने देखा कि एक लोमड़ी लंगड़ाकर चल रही है। उसका एक पैर टूट गया था। लोमड़ी की ये हालत देखकर आलसी व्यक्ति सोच रहा था कि इस जंगल में अभी तक ये लोमड़ी जीवित कैसे है? इसका किसी ने शिकार नहीं किया, इसे खाने के लिए मांस कैसे मिलता होगा?

वह व्यक्ति लोमड़ी के पीछे-पीछे चलने लगा, ताकि उसे मालूम हो सके कि इसके खाने की व्यवस्था कैसे होती है? तभी उस व्यक्ति को शेर की दहाड़ सुनाई दी। वह डर गया और तुरंत ही एक ऊंचे पेड़ पर चढ़कर छिप गया। कुछ ही देर वहाँ शेर पहुँच गया। उसने मुँह में शिकार पकड़ रखा था। जब शेर लोमड़ी के सामने पहुँचा तो शेर के शिकार में से मांस का एक टुकड़ा गिर गया। शेर वहां चला गया तो लोमड़ी ने मांस का टुकड़ा खा लिया।आलसी व्यक्ति ये सब देख रहा था।

वह सोचने लगा कि भगवान कितना दयालु है। एक लोमड़ी के खाने की व्यवस्था भी भगवान कर रहे हैं। मैं भी घर बैठता हूँ तो भगवान मेरे लिए भी खाने की व्यवस्था जरूर करेगा। ये सोचकर वह अपने घर आ गया।

घर आकर आलसी व्यक्ति बैठ गया और इंतजार करने लगा कि भगवान की कृपा से उसे भी खाना मिल जायेगा। बैठे-बैठे तीन दिन गुजर गए, लेकिन उसके खाने की व्यवस्था नहीं हो सकी। खाना न मिलने की वजह से वह बहुत कमजोर हो गया था। तभी उसके घर की ओर एक संत पहुँचे।

आलसी व्यक्ति तुरंत ही संत के पास पहुँचा।व्यक्ति ने संत को पूरी बात बता दी। संत ने उससे कहा कि भगवान ने तुम्हें इस घटना के माध्यम से एक बहुत बड़ा संदेश दिया है। तुम एक लोमड़ी की तरह बनना चाहते हो, लेकिन भगवान तुम्हें शेर की तरह बनाना चाहता है। तुम दूसरों पर निर्भर रहना चाहते हो और भगवान तुम्हें दूसरों की मदद करने वाला इंसान बनाना चाहता है। आलसी व्यक्ति को संत की बात समझ आ गई और उसके बाद उसने आलस्य छोड़ दिया और कर्म करने लगा।

शिक्षा:-हमें दूसरों पर निर्भर रहने वाला नहीं, दूसरों की मदद करने वाला इंसान बनने की कोशिश करनी चाहिये। भगवान भी ऐसे लोगों की मदद करता है, जो दूसरों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं..!!

कैमूर चेतना सत्र

11. बूझो तो जानें

वह क्या है जो आगे बढ़ता है लेकिन पीछे नही आता | (जवाब: समय)

विभागीय सूचनाएं

- विभागीय निर्देशानुसार वैसे विद्यालय जहाँ पर प्रधान शिक्षक अथवा प्रधानाध्यापक पदस्थापित किये गये हैं वहाँ के प्रभारी तत्काल दो दिनों के अंदर विद्यालय का सम्पूर्ण प्रभार सौपना सुनिश्चित करेंगे।
- सभी मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक इंस्पायर अवार्ड से संबंधित 05 बच्चों के प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड के वेबसाइट पर नॉमिनेशन करते हुए पंजीकरण अनिवार्य रूप से दिनांक 15.09.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।
- विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा E-shikshakosh पर वि.शि. समिति / विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति /विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के आंकड़ों की प्रविष्टी दिनांक 04.09.2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाए।
- सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक U-Dise Plus पर नामांकित सभी छात्रों की इंट्री कराने के साथ-साथ उनके प्रोफाइल अपडेट के दौरान AP,EP,GP का कार्य दिनांक 07.09.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।
- सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवगत होंगे कि सितम्बर 2025 में दिनांक 10.09.2025 से अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं संचालित होंगी। अतएव सभी विषयों का सिलेबस पूर्ण करा लें और इसकी सूचना छात्रों और अभिभावकों को दे देंगे।
- सभी प्राथमिक/मध्य/उच्च एवं प्राइवेट विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि विद्यांजली पोर्टल पर अपने-अपने विद्यालय का पंजीकरण दिनांक 05.09.2025 तक अनिवार्य रूप से करा लें। जिले कुछ प्राइवेट और सरकारी विद्यालय अभी तक विद्यांजली पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है।
- सभी प्राथमिक/मध्य/उच्च एवं प्राइवेट विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि दिनांक 07.09.2025 तक अनिवार्य रूप **स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR)** पोर्टल पर अपने-अपने विद्यालय का रेटिंग विवरणी ऑनलाइन करना सुनिश्चित करेंगे।

"हर सुबह एक नया सत्र, हर दिन एक नई प्रेरणा"

कैमूर चेतना - सत्र टीम
संपर्क सूत्र : 8271039022
9973725565